INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Marking Scheme for Mid Term Examination Hindi (X)

हिंदी (ब) कोड संख्या 085 **Date: 29-09-2022**

कक्षा – दसवीं **पूर्णांक: 80**

सामान्य निर्देश: ***अत्यंत गोपनीय***

(1) इस अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है। इस प्रश्नपत्र में वस्तुपरक एवं वर्णनात्मक प्रश्न हैं। अतः अंक योजना में दिए गए वर्णनात्मक प्रश्नों के उत्तर-बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।

(2) यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दें, तो उन्हें अंक दिए जाएँ।

(3) समान त्रुटियों के लिए स्थान-स्थान पर अंक न काटे जाएँ।

(4) गुणवत्तापूर्ण, सटीक उत्तर पर शत-प्रतिशत अंक देने में किसी प्रकार का संकोच न किया जाए।

(5) मूल्यांकन में 0 से 100 प्रतिशत अंकों का पैमाना स्वीकार्य है।

(6) मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना के निर्देशानुसार ही किया जाए।

खंड – अ

उत्तर 1. अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न **(1×5=5)**

(i) (घ) वही विजयी होता है, जिसमें इच्छा-शक्ति हो।

(ii) (क) साहस मनुष्य के मन का सम्राट है।

(iii) (ग) उसका अपना मन तथा मानसिक विचार

(iv) (ख) जीवन एक संग्राम है, एक संघर्ष है।

(v) (घ) गिरकर न उठना महा अपराध है।

उत्तर 2. अपठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्न **(1×5=5)**

(i) (घ) वह भविष्य की चिंता करता रहता है।

(ii) (ग) स्वप्न के अनुसार कार्य करना प्रारंभ करें।

(iii) (ख) चिंताएँ घेर लेती हैं।

(iv) (क) हम नकारात्मक सोच में समय बिताते हैं।

(v) (घ) जो समय को नष्ट करता है, समय उसे नष्ट कर देता है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित <u>पाँच</u> भागों में से किन्हीं <u>चार</u> भागों के उत्तर दीजिए:- 4×1=4

{1} जब तुम दुबई पहुँचोगे, सूरज **<u>डूब रहा होगा</u>**। रेखांकित पदबंध का भेद है –

III. क्रिया पदबंध

(2) III. घर के सामने वाले – विशेषण पदबंध

(3) I. रोज़ दूध देने वाला ग्वाला आज नहीं आया।

(4) I. क्रियाविशेषण पदबंध

(5) III. विशेषण पदबंध

प्रश्न 4. निम्नलिखित पाँच भागों में से किन्हीं चार भागों के उत्तर दीजिए:- 4×1=4

(1) कमाने वाला खाएगा । इससे रूपांतरित मिश्र वाक्य होगा –

III. जो कमाएगा, वह खाएगा l

(2) I. देश को विकास की राह पर ले जाना है, इसलिए प्रधानमंत्री अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं।

(3) I. संयुक्त वाक्य

(4) IV. क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य

(5) II. सरल वाक्य

उत्तर 5. समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए - (1×4=4)

(1) IV. राजा की आज्ञा – संबंध तत्पुरुष

(2) III. पंचपात्र – द्विगु समास

(3) III. गंगा को धारण करने वाले (शिव जी) – बहुव्रीहि

(4) 'हाथोंहाथ' किस प्रकार का सामासिक शब्द है? II. अव्ययीभाव समास

(5) द्वंद्व समास का उदाहरण है – IV. सुख-दुःख

उत्तर 6. मुहावरों पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार के उत्तर दीजिए - (1×4=4)

(1) III. नामोनिशान मिटाना

(2) IV. सुध-बुध खोना

(3) II. फूटी आँख न सुहाना

(4) II. घाव पर नमक छिड़काना

(5) I. आवाज़ उठाना

(6) II. डर लगना

उत्तर 7. पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए: (1×5=5)

(क) (iii) करघनी के आकार की पहाड़ की ढाल

(ख) (i) अपने हज़ारों सुमन रूपी नेत्रों से

(ग) (iii) दर्पण से

(घ) (iv) रूपक

(ङ) (iii) वर्षा

उत्तर 8. प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1×2=2)

(1) (iii) ज्ञान की लकड़ी का

(2) (iv) सांसारिक बंधन को जलाना होगा।

उत्तर 9. गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए: (1×5=5)

(क) (iii) लेखक के

(ख) (ii) भयानक रूप से

(ग) (iv) क्षितीश चटर्जी

(घ) (iii) स्त्रियाँ

(ङ) (i) वालेंटियर

उत्तर 10. प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए: (1×2=2)

(1) (iv) वामीरो ने तताँरा के बारे में कुछ भी नहीं सुना हुआ था।

(2) (iv) तताँरा-वामीरो कथा – लीलाधर मंडलोई

खंड 'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

उत्तर 11. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (3×2=6)

(i) **उत्तर -** जो सभ्यता जितनी पुरानी होती है, उसमें उतनी ही अधिक रूढ़ियाँ प्रचलित होती हैं। यह आवश्यक नहीं कि सभी रीति-रिवाज और रूढ़ियाँ उचित ही हों। लपाती और पासा गाँव में फैली कुप्रथा, जिसमें युवक-युवती केवल अपने गाँव में ही वैवाहिक संबंध बना सकते थे, ने तताँरा और वामीरो नामक दो भोले प्रेमियों की जान ले ली। तताँरा पासा गाँव का था और वामीरो लपाती गाँव की। लोगों को उनका सच्चा प्रेम न दिखा और तत्कालीन समाज में प्रचलित संकीर्ण प्रथा के कारण लोग उनके प्रेम के दुश्मन बन गए। इस रूढ़ि की वेदी पर दोनों प्रेमी बलि चढ़ गए। जब रूढ़ियाँ हमारी ख़ुशी को कुचलें, विकास को रोकें, संबंधों में कटुता लाएँ, तो वे बुराई बन जाती हैं। ऐसी रूढ़ियों के विरुद्ध सूझ-बूझ, साहस और दृढ़ता के साथ आवाज़ उठाना अत्यधिक आवश्यक होता है। यदि मनुष्य रूढ़ियों का ग्रास बनने लगे तो उसके लिए एकजुट होकर तथा वैचारिक क्रांति जगाकर लड़ना बहुत ज़रूरी होता है। तभी हम उनसे छुटकारा पा सकते हैं। तताँरा-वामीरो की त्यागमयी मृत्यु ने सदियों पुरानी ऐसी ही एक रूढ़ि का अंत किया।

(ii) **उत्तर -** 'डायरी का एक पन्ना' पाठ में लेखक सीताराम सेकसरिया ने 26 जनवरी, 1931 के उस दिन का वर्णन किया है जब अन्य देशवासियों सहित कोलकाता के लोगों ने भी नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में पूरे जोश-ख़रोश के साथ दूसरा स्वतंत्रता दिवस मनाया था। देश-प्रेम की भावना से ओतप्रोत यह पाठ याद दिलाता है उन क्रांतिकारियों की, जिन्होंने देश को पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त कराने के लिए अनेक क़ुर्बानियाँ दी थीं। इस घटना ने भारतीय इतिहास के उस पहलू को भी हमारे समक्ष प्रस्तुत किया है जब भारतीयों ने संगठित होकर, कृतसंकल्प होकर अत्याचारी और ताक़तवर अँग्रेज़ सरकार की नींव हिला डाली थी। अँग्रेज़ों से देश को मुक्ति दिलाने में महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस सरीखे अनेक नेताओं का योगदान उल्लेखनीय है। इनके द्वारा चलाए गए आंदोलनों ने भारत की जनता में आज़ादी की जोत जलाई, जिसके परिणामस्वरूप ऐसे लाखों लोग सामने आए जो आज़ादी के इस महासंग्राम में अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तैयार हो गए। स्त्रियाँ भी देश को स्वतंत्र कराने में पीछे नहीं रहीं। 'डायरी का एक पन्ना' जैसे पाठ को पढ़कर कोई भी व्यक्ति जो अपने देश से प्रेम रखता है, भावुक हो

सकता है तथा देश की आज़ादी के उस इतिहास को पढ़ने के लिए प्रेरित हो सकता है जिसे उसने न पढ़ा हो।

(III) **उत्तर** - अहंकार व्यक्ति को नष्ट करने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है l इस बात को समझाने के लिए बड़े भाई ने चक्रवर्ती रावण, शैतान और शाहेरूम के उदाहरण दिए हैं और इस बात को स्पष्ट किया है कि किस प्रकार उन्हें अहंकार ने नष्ट कर दिया l

अहंकार ने रावण का नामोनिशान मिटा दिया l शैतान को स्वर्ग से नरक में धकेल दिया l शाहेरूम को भीख माँग – माँग कर मर गया l

प्रश्न 12. किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (3×2=6)

(i) **उत्तर** - 'मनुष्यता' कविता के माध्यम से कवि मैथिलीशरण गुप्त जी ने मानव मात्र को त्याग, प्रेम, बलिदान, परोपकार, सत्य, अहिंसा जैसे मानवीय गुणों को अपनाने का संदेश दिया है। मानव जीवन एक विशिष्ट जीवन है। अतः अपने से पहले दूसरों की चिंता करते हुए अपनी शक्ति, अपनी बुद्धि और अपनी वैचारिक शक्ति का सदुपयोग करना मानव का कर्तव्य है। प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि मानवीय एकता, सहानुभूति, सद्भाव, उदारता और करुणा का संदेश देना चाहता है। वह चाहता है कि मनुष्य समस्त संसार में अपनत्व की अनुभूति करे। वह दीन-दुखियों, ज़रूरतमंदों के लिए बड़े-से-बड़ा त्याग करने के लिए तत्पर रहे। वह पौराणिक कथाओं के माध्यम से विभिन्न महापुरुषों जैसे दधीचि, कर्ण, रंतिदेव के अतुलनीय त्याग से प्रेरणा ले। ऐसे सत्कर्म करे जिससे मृत्यु उपरांत भी लोग उसे याद करें। उसका यश मानव मात्र के हृदय में जीवित रहे। निःस्वार्थ भाव से जीवन जीना, दूसरों के काम आना व स्वयं ऊँचा उठने के साथ-साथ दूसरों को भी ऊँचा उठाना ही 'मनुष्यता' का वास्तविक अर्थ है। ये सभी गुण मनुष्यता का संचार करते हैं तथा हमें एक विवेकी मनुष्य की श्रेणी में लाकर खड़ा कर देते हैं। इन्हीं से समाज तथा देश का विकास हो सकता है व एकजुटता तथा मैत्री भाव पल्लवित होता है।

(II) **उत्तर** - मीराबाई की भाषा शैली राजस्थानी मिश्रित ब्रजभाषा है। गुजराती शब्दों का भरपूर प्रयोग है। मीरा बाई के पदों में भक्ति रस है। अनुप्रास. पुनरुक्ति प्रकाश, रूपक, उत्प्रेक्षा आदि अलंकारों का सुन्दर प्रयोग। सरल, सहज और आम बोलचाल की भाषा है। मीरा के पदों में माधुर्य गुण प्रमुख है और शांत रस के दर्शन होते हैं ।

(iii) **उत्तर** - कबीरदास जी ने अपने दोहे में 'निंदक नेड़ा राखिए' की सलाह दी है। उनके अनुसार हमारे विचारों, आचरण तथा व्यवहारों को सुधारने के लिए निंदक की उपस्थिति परमावश्यक है। बिना किसी बाह्य वस्तु के मात्र अपनी वाणी से ही निंदक हमारे स्वभाव को निर्मल कर देता है। अतः उसे अपने आँगन में ही स्थान दे देना चाहिए।

वैसे यह कहना कठिन है कि निंदक हमें प्रिय होता है। हम अपनी पसंद तथा रुचि से उसे अपने साथ रखना चाहेंगे परंतु यह कहा जा सकता है कि हमारे व्यवहार के सुधार के लिए उसकी उपस्थिति अनिवार्य है।

निंदक को यदि सकारात्मक दृष्टिकोण से देखा जाए तो सचमुच उसकी उपयोगिता बहुत अधिक है। यदि उसकी वाणी को हम ध्यानपूर्वक ग्रहण करें तो हम अपने अंदर अनेक सुधार ला सकते हैं। वह हमारे अंदर सहनशीलता तथा सहनशक्ति के गुणों का संचार करवाता है। उसे हम अपना शुभचिंतक मान सकते

हैं क्योंकि वह नहीं चाहता कि हम कोई भी ग़लती करें। आत्म-सुधार तथा आत्म शुद्धि के लिए निंदक आवश्यक है और अपनी उपयोगिता के लिए वह पूजनीय भी है।

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए: (3×2=6)

(i) उत्तर - रिश्तों की दीवार चाहे जितनी मज़बूत क्यों न हो पैसा और ज़मीन – जायदाद उसमें दरार डाल ही देते हैं । हालांकि रिश्तों की समाज में बहुत अहमियत होती है, क्योंकि समाज और परिवार रिश्ते-नातों तथा संबंधों से ही फलते-फूलते हैं। यदि परिवार के सदस्य आपसी प्रेम, स्नेह, बड़ों को आदर देना, निस्वार्थ भाव से सहायता करना जैसे मानवीय मूल्यों को सर्वोपरि समझें तो, रिश्तों की नींव बहुत मज़बूत होती है। उनमें एक-दूसरे के सुख-दुख तथा भावनाएँ समझने और विषम परिस्थितियों में एक-दूसरे का साथ निभाने की प्रवृत्ति प्रबल होनी चाहिए। सहनशीलता तथा सहयोग की भावना रिश्तों को गहरा करने तथा बनाए रखने के लिए अत्यधिक महत्त्वपूर्ण होती है। यदि ये सभी गुण हरिहर काका के परिवार वाले समझते तो हरिहर काका ऐसी उपेक्षा का शिकार न होते। परन्तु दुर्भाग्यवश किसी ने भी मानवीय मूल्यों के महत्त्व को नहीं समझा और काका की 15 बीघे ज़मीन हड़पने के लिए नीचता की सारी सीमाएँ पार कर दीं l इससे रिश्तों की पवित्रता तो दूषित हुई ही सारी मानवता को भी शर्मसार होना पड़ा l अत: अंत में यही कहना पड़ेगा कि जब-तक भौतिकता वादी प्रवृति प्रवल रहेगी तब-तक रिश्तों की पवित्रता को बार – बार चुनौती देती रहेगी l रिश्तों में दरार डालती रहेगी l

(ii) **उत्तर -** ठाकुरबारी सदृश संस्थाओं का यह दायित्व है कि वे समाज में व्याप्त स्वार्थ की भावना को दूर कर जन-जन में परोपकार का भाव जगाएँ। पर आस्था और विश्वास के इस मंदिर ने 'हरिहर काका' सदृश लोगों के साथ विश्वासघात करके, उनके साथ दुर्व्यवहार करके यह दिखा दिया कि बदलते परिवेश के साथ-साथ धार्मिक संस्थाएँ भी भ्रष्टाचार के अड्डे बन गए हैं, लोभ-लालच और षड्यंत्रों में फँसे महंत व पुजारी धार्मिक संस्थाओं व समाज का आदर्श नहीं हो सकते। एक लाचार असहाय, दुखी बुज़ुर्ग को ज़बरन उठाना, उसकी ज़मीन-जायदाद को हड़पने का प्रयास करना, मारना-पीटना, बंदी बनाना महंत व पुजारियों द्वारा किए गए ऐसे कुकृत्य थे जो धार्मिक संस्थाओं से लोगों के विश्वास को डगमगाने के लिए पर्याप्त हैं। आज धार्मिक संस्थाओं में व्याप्त धन-लिप्सा को रोकने के उपाय खोजने की आवश्यकता है, ताकि 'हरिहर काका' की भाँति फिर कोई और इनके चंगुल में न फँसे। इसके लिए शिक्षा के प्रचार की आवश्यकता है। शिक्षा द्वारा लोगों को जागरूक करके अंधविश्वासों एवं पाखंडों से मुक्ति दिलवाई जा सकती है। चोरी-ठगी, धोखाधड़ी करने वालों के ख़िलाफ़ बड़े क़ानून बनाने की आवश्यकता है।

(iii) **उत्तर -** गाँव की ठाकुरबारी तथा परिवार के सदस्यों से क्रूरतापूर्ण व्यवहार पाकर अंत में हरिहर काका ने ज़मीन को अपने पास ही रखने का निर्णय लिया। उन्होंने अपनी देखभाल करने के लिए एक सेवक रख लिया। उनका यह निर्णय परिवार को सामाजिक तथा आर्थिक प्रतिष्ठा के हनन के रूप में प्रभावित करता है। परिवार के वृद्ध व्यक्ति के अलग रहने की स्थिति को समाज में, सम्मान की दृष्टि से नहीं देखा जाता। परिवार की कलहपूर्ण स्थिति सबके समक्ष आ जाती है तथा गाँव, समाज को यह पता चल जाता है कि इस घर-परिवार में रिश्तों तथा मानवीय भावनाओं का कोई मूल्य नहीं है। आर्थिक रूप से भी परिवार प्रभावित होता है क्योंकि संपत्ति छोटे-छोटे भागों में विभक्त होने लगती है।

यह स्थिति हर व्यक्ति को यह संदेश प्रदान करती है कि परिवार जैसी सुदृढ़ संस्था का विघटन सदैव हानिकारक होता है। अतः पारिवारिक मूल्यों की रक्षा करनी आवश्यक है। घर-परिवार में वयोवृद्धों को पर्याप्त सम्मान, सुरक्षा तथा प्रेम मिले तो संबंध तथा संपत्ति दोनों के साथ प्रतिष्ठा भी सुरक्षित रहेगी।

लेखन

14 किसी ***एक*** विषय पर संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 100 शब्दों में अनुच्छेद - (5x1=5)

विषयवस्तु – 3 अंक, भाषा- 1 अंक, प्रस्तुति – 1 अंक

15. दिए गए दो औपचारिक पत्रों में से किसी **एक** विषय पर 100 शब्दों में पत्र-लेखन - (5x1=5)

आरंभ व अंत की औपचारिकताएँ- 1 अंक, विषयवस्तु– 2 अंक, भाषा- 1 अंक, प्रस्तुति– 1 अंक

16. किसी ***एक*** विषय पर लगभग 80 शब्दों में सूचना लेखन - (4x1=4)

विषयवस्तु – 2 अंक, प्रस्तुति – 1 अंक, भाषा- 1 अंक

17. किसी ***एक*** विषय पर लगभग 60 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए - (3x1=3)

विषयवस्तु – 1 अंक, प्रस्तुति – 1 अंक, भाषा- 1 अंक

18. किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लेखन – (5x1=5)

औपचारिकताएँ - 1 अंक, विषयवस्तु – 2 अंक, प्रस्तुति – 1 अंक, भाषा - 1 अंक

---------- 000 ----------